Volume 10, Issue 113, September 2023

Absolute Truth

Know God Know Truth

Monthly Newsletter of ISKCON Delhi-NCR

News

Krishna Katha (26th Aug to 1st Sep) (ISKCON, East of Kailash)

On the occasion of Janmashtami, Krishna-katha was organized. H.G. Radha Damodar Prabhu narrated the nectarean pastimes of the Lord. devotees attended in huge numbers, to take pleasure, purify themselves and develop devotion towards the Lord. The narrations helped devotees to prepare the soil of their hearts to allow the seed of devotion to fructify, allowing attachment to the service of the Supreme. Prasadam was distributed after the session, on all days.

A short trip to a special place (1st Aug) (ISKCON, Punjabi Bagh)

75 devotees from the congregation visited Barsana and Vrindavana. The trip was inundated with hours of kirtans, spiritual discourses, and mesmerizing darshans. The objective of the trip was to deepen devotion, strengthen bonds with other devotees, and seek inspiration to serve. As the yatra concluded, the devotees returned with hearts filled with love and gratitude, carrying the blessings of the Lord with them.

Trip to the hills (4th-6th Aug) (IYF, ISKCON Punjabi Bagh)

20 devotees visited Rishikesh and Devprayag for an immersion camp. The 2-day camp over the weekend focused on leading a responsible life in the Grihastha ashram. The group was led by 2 youth forum stalwarts – H.G. Vaikuntha

समाचार

कृष्ण कथा (26 अगस्त से 1 सितंबर) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

जन्माष्टमी के पावन अवसर पर कृष्ण-कथा का आयोजन किया गया। श्रीमान राधा दामोदर प्रभु जी ने भगवान् की अमृतमयी लीलाओं का वर्णन किया। आनंद लेने, स्वयं की शुद्धि एवं भगवान् के प्रति भक्ति विकसित करने हेतु भक्त बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। भक्ति आख्यानों एवं लीलाओं ने भक्तों के हृदयों में भक्ति के बीज पल्लवित करने, परम भगवान् की सेवा के प्रति रूचि एवं आसक्ति विकसित करने में सहायता की। हर दिन प्रवचन सत्र के उपरान्त प्रसाद वितरण किया गया।

किसी विशेष स्थान की छोटी यात्रा (1 अगस्त) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

भक्त मंडली के 75 श्रद्धालुओं ने बरसाना और वृंदावन के दर्शन किए। यह यात्रा घंटों तक कीर्तन, आध्यात्मिक प्रवचनों एवं मंत्रमुग्ध कर देने वाले दर्शनों से आप्लावित करने वाली थी। यात्रा का उद्देश्य भक्ति को गहन बनाना, अन्य भक्तों के साथ संबंध को बल प्रदान करना एवं सेवा करने की प्रेरणा जगाना था। यात्रा के समापन के साथ भक्तगण, प्रेम और कृतज्ञता से भरे हृदय के साथ ही भगवान् का आशीर्वाद लेकर लौटे।

Vraj Prabhu and H.G. Ramananda Prema Prabhu. The high altitudes of the Himalayas were just perfect for the higher consciousness that the group desired to achieve.

IGF Trip to Vrindavana (6th Aug)
(IGF, ISKCON East of Kailash)

Purushottama month is marked by visits to holy places. The ISKCON Girls Forum, organised a pilgrimage to Vrindavana, under the guidance of H.G. Urmila Mataji. Two buses full of Vaishnavis took darshans at Sri Sri Radha Raman, Sri Sri Radha Damodar, and Sri Sri Radha Gokulananda. They took a holy dip in Yamuna, immersing their consciousness in Krishna katha, enjoying the association of a pure devotee, Yamuna Devi. The yatra was made more blissful with kirtan and discussions about the King and Queen of Vrindavana. The devotees spent time together at Sri Sri Krishna Balarama Mandir.

The teen team visits Govardhan (Aug 12-13)
(ISKCON, Punjabi Bagh)

As part of their Purushottam month vow, the Teenage Forum at ISKCON Punjabi Bagh visited Govardhan. The group circumambulated the hill which is non-different from the Lord Himself and at the same time is the dearmost servant of Sri Krsna [Haridas Varya].

We Are What We Feed Ourselves!
(Vaikuntha Fun School, ISKCON East of Kailash)

Lord Krishna tells us in the Bhagavad Gita that the food we eat creates a direct impact on our minds and soul. Not only this but the choice of food reflects our personality also. The sole purpose of the food is to increase the duration of life, purify the mind, and to increase the strength of the body. ISKCON being an organisation that has its roots embedded deeply in Vedic wisdom always tries to serve and educate people from these ancient teachings. The amazing part of these teachings is that they are universally applicable thus there remains no scope of any doubt as to whether it is suitable for this age, place, and circumstances or not. The little children of Vaikuntha Fun School are actively participating in creating awareness about it. These little leaders enthusiastically donate a small amount every month out of their pocket money thus reaching out to the needy through Bal Gopal Sanga. This month's donation was utilized to feed vegetable rice and besan laddoos to

पहाड़ों की यात्रा (4-6 अगस्त)
(आईवाईएफ, इस्कॉन पंजाबी बाग)

आप्लावन शिविर हेतु 20 भक्त ऋषिकेश एवं देवप्रयाग पहुंचे। सप्ताहांत में यह दो दिवसीय शिविर गृहस्थ आश्रम के अंतर्गत उत्तरदायी जीवन जीने पर आधारित था। समूह का नेतृत्व 2 युवा मंच के दिग्गजों - श्रीमान वैकुंठ व्रज प्रभु और श्रीमान रामानंद प्रेम प्रभु ने किया। हिमालय की ऊँचाई उस उच्च चेतना हेतु बिल्कुल उपयुक्त थी जिसे समूह प्राप्त करना चाहता था ।

इस्कॉन बालिका मंच की वृन्दावन यात्रा (6 अगस्त)
(आईजीएफ, इस्कॉन ईस्ट ऑफ कैलाश)

पुरूषोत्तम माह को पवित्र स्थानों की यात्रा के रूप में जाना जाता है। इस्कॉन गर्ल्स फोरम ने श्रीमती उर्मिला माताजी के मार्गदर्शन में, वृन्दावन की तीर्थयात्रा का आयोजन किया। वैष्णवियों से भरी दो बसों ने श्री श्री राधा रमण जी, श्री श्री राधा दामोदर जी एवं श्री श्री राधा गोकुलानंद जी के दर्शन किये। उन्होंने यमुना में पवित्र डुबकी भी लगाई, अपनी चेतना को कृष्ण कथा में डुबोया, एक शुद्ध भक्त, यमुना देवी की संगति का आनंद लिया। कीर्तन तथा वृन्दावन के राजा और रानी के बारे में चर्चा से यात्रा को और अधिक आनंदमय बना दिया गया। भक्तों ने श्री श्री कृष्ण बलराम मंदिर में एक साथ समय बिताया।

किशोर दल की गोवर्धन यात्रा (12-13 अगस्त)
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

अपने पुरूषोत्तम मास व्रत के अंतर्गत, इस्कॉन पंजाबी बाग के किशोर मंच ने गोवर्धन जी की यात्रा करी । किशोर समूह ने उस पर्वत की परिक्रमा की जो स्वयं भगवान् से अभिन्न हैं और साथ ही श्री कृष्ण के सबसे प्रिय सेवक[हरिदास वर्य] भी हैं ।

जो हम ग्रहण करते हैं हम वैसे ही बनते हैं !
(वैकुंठ फन स्कूल, इस्कॉन ईस्ट ऑफ कैलाश)

भगवान् कृष्ण हमें भगवद गीता में बताते हैं कि हम जो भोजन ग्रहण करते हैं वह हमारी विवेक-बुद्धि और आत्मा पर सीधा प्रभाव डालता है। इतना ही नहीं बल्कि भोजन का चुनाव भी हमारे व्यक्तित्व को दर्शाता है। भोजन का एकमात्र उद्देश्य जीवन की अवधि को बढ़ाना है, मन को शुद्ध करना एवं शरीर की ऊर्जा को बढ़ाना है। इस्कॉन एक ऐसा संगठन है जिसकी जड़ें वैदिक ज्ञान में गहराई से अंतर्निहित हैं, जो सदा इन प्राचीन शिक्षाओं से लोगों की सेवा करने तथा उन्हें शिक्षित करने का प्रयास करता है। इन शिक्षाओं का आश्चर्यजनक भाग यह है कि वे सार्वभौमिक रूप से लागू हैं, इसलिए इसमें किसी भी संदेह हेतु कोई रिक्ति नहीं है कि यह इस युग, स्थान एवं परिस्थितियों हेतु उपयुक्त है अथवा नहीं। वैकुंठ फन स्कूल के नन्हे-मुन्ने बच्चे इसके प्रति जागरूकता पैदा करने में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। ये लघु नेतृत्व उत्साहपूर्वक हर महीने अपने जेब खर्च से एक छोटी राशि दान करते हैं और इस प्रकार बाल गोपाल संग के माध्यम से अभावग्रस्तों तक पहुँचते हैं। इस माह के दान का उपयोग एम्स

the people outside AIIMS hospital. The inspirational part was that this service was personally done by these little devotees. We extend heartfelt thanks to the donors for their contribution and look forward to their continuous support in the future too.

Celebrating 2 years of spiritual victory! Jaya!
(ISKCON, Punjabi Bagh)

Right after the second wave of COVID-19, a few members of the congregation stepped out of NCR into Burari, Haryana with a mission of cultivating spiritually curious residents of the growing township. Less than just two years later, Burari is now flooded with an ocean of devotees. A community of over 200 devotees has mushroomed in the last 2 years. These devotees have together reached out to more like-minded souls by distributing 8000 books, organizing over 70 sankirtans, and connecting with 7000 residents during festivals. To keep themselves inspired the devotees at Burari have a regular and strong morning program at the center and organize visits by several senior spiritual leaders and spiritual retreats. The center is also running a Sunday school to cultivate the kids in the art of bhakti-yoga.

Next stop: Lucknow (12th Aug -28th Aug)
(ISKCON, Punjabi Bagh)

A team of 6 devotees from the book distribution team started their next camp in Agra. The 2-week halt at Agra started on 12th August. The book distribution team is aiming to distribute over a thousand books of Srila Prabhupada.

Spirituality for Modern Age (13th Aug)
(IYF, ISKCON Dwarka)

IYF Dwarka in its continuous endeavors to educate modern youth initiated their much-awaited course "Spirituality for Modern Age (SMA)". The course is being held on IYF Dwarka's digital platform "Reviving Values" on YouTube, beginning on 13th August. The course is guided and led by H.G. Amogh Lila Prabhu. The course involves

चिकित्सालय के बाहर लोगों को सब्जी चावल और बेसन के लड्डू खिलाने हेतु किया गया था। प्रेरणादायक बात यह थी कि यह सेवा इन छोटे भक्तों द्वारा व्यक्तिगत रूप से की गई थी। हम दानदाताओं को उनके योगदान हेतु हार्दिक धन्यवाद देते हैं और भविष्य में भी उनके निरंतर समर्थन की आशा करते हैं।

2 वर्ष की आध्यात्मिक विजय का उत्सव ! जय !
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

कोविड की दूसरी लहर के ठीक पश्चात, भक्त मंडली के कुछ सदस्यों ने एनसीआर से बाहर हरियाणा के बुराड़ी में विकसित होते कसबे के आध्यात्मिक रूप से जिज्ञासु निवासियों की भक्ति में वृद्धि करने के मिशन के साथ प्रवेश किया। केवल दो साल से भी कम समय के उपरांत, बुराड़ी अब भक्तों से आप्लावित सागर के रूप में सामने आ चुका है। पिछले 2 वर्षों में 200 से अधिक भक्तों का एक समुदाय विकसित हुआ है। ये भक्त मिलकर 8000 किताबें वितरित करके, 70 से अधिक संकीर्तन आयोजित करके एवं त्योहारों के समय 7000 निवासियों के साथ जुड़कर समान विचारधारा वाली आत्माओं तक पहुँच चुके हैं। स्वयं को प्रेरित रखने हेतु बुराड़ी में भक्त इस्कॉन केंद्र में एक नियमित और बलशाली प्रातःकालीन कार्यक्रम रखते हैं एवं कई वरिष्ठ आध्यात्मिक नेतृत्व से प्रवचन एवं आध्यात्मिक रिट्रीट का आयोजन करते हैं। केंद्र बच्चों को भक्ति-योग की कला में विकसित करने हेतु एक रविवारीय विद्यालय भी चला रहा है।

अगला पड़ाव: लखनऊ (12 अगस्त - 28 अगस्त)
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

पुस्तक वितरण दल के 6 भक्तों के एक समूह ने आगरा में अपना अगला शिविर आरम्भ किया। आगरा में 2 सप्ताह का पड़ाव 12 अगस्त को प्रारम्भ हुआ। पुस्तक वितरण दल का लक्ष्य श्रील प्रभुपाद की एक हजार से अधिक पुस्तकें वितरित करना है।

आधुनिक युग हेतु आध्यात्मिकता (13 अगस्त)
(आईवाईएफ, इस्कॉन द्वारका)

आधुनिक युवाओं को शिक्षित करने के अपने निरंतर प्रयासों में IYF द्वारका ने अपने बहुप्रतीक्षित पाठ्यक्रम "आधुनिक युग हेतु आध्यात्मिकता (एसएमए)" का शुभारम्भ किया। यह कोर्स यूट्यूब पर आईवाईएफ द्वारका के डिजिटल प्लेटफॉर्म "रिवाइविंग वैल्यूज़" पर 13 अगस्त से आरम्भ हो

learning A-Z of the Bhagavad Gita, teachings of scriptures, and interactive sessions followed by personal guidance. In addition, many spiritual retreats are also organized to get personal interaction with IYF devotees.

An evening in Pushkar (Aug 13-14) (ISKCON, Punjabi Bagh)

A group of 60 devotees spent their weekend of 13th-14th August at the divine and holy lake of Sri Pushkar. Led by H.G. Seva Rani Mataji and H.G. Sukanta Gopinatha Prabhu, the group of devotees took a dip in the Brahma Kunda (the only Brahma temple in the world). They also visited the beautiful temple of Sri Narasimha Dev who is considered the protector of Pushkar. From Pushkar, the group moved to Jaipur where they attended the mesmerizing Mangla Arati at Sri Sri Radha Govindadevji. The rest of the day was spent at the darshans of Sri Sri Radha Gopinatha and Sri Sri Radha Damodar! Just the ideal weekend for a devotee at ISKCON!

Independence Day celebration (15th Aug) (ISKCON, Dwarka)

On the 77th Independence Day, a special initiative was undertaken to acknowledge the selfless service given by Defence personnel. Special Havan and prayers were made to Lordships for all-round protection of security forces who are continually engaged in the country's service. Many engagements were created on temple premises like for visiting devotees e.g., selfie points, flag-making, and patriotic costume contests.

Shobha Yatra (20th August) (ISKCON, East of Kailash)

Sri Sri Krishna Balarama shobha-yatra was organized in Greater Kailash -II and Greater Kailash -III as a precursor to the Janmashtami celebration. The Lord was accompanied

रहा है। पाठ्यक्रम का मार्गदर्शन एवं नेतृत्व श्रीमान अमोघ लीला प्रभु द्वारा किया जा रहा है। पाठ्यक्रम में भगवद गीता को आदि से अंत तक सीखना, धर्मग्रंथों की शिक्षाएं एवं परस्पर संवादात्मक सत्रों के उपरान्त व्यक्तिगत मार्गदर्शन भी शामिल है। इसके अतिरिक्त, IYF भक्तों के साथ व्यक्तिगत वार्ता करने हेतु कई आध्यात्मिक रिट्रीट भी आयोजित किए जाते हैं।

पुष्कर में एक संध्या (13-14 अगस्त) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

60 श्रद्धालुओं के एक समूह ने 13-14 अगस्त का अपना सप्ताहांत श्रीपुष्कर जी के दिव्य और पवित्र सरोवर पर बिताया। श्रीमती सेवा रानी माताजी और श्रीमान सुकांत गोपीनाथ प्रभु के नेतृत्व में, भक्तों के समूह ने ब्रह्म कुंड (संसार का एकमात्र ब्रह्मा जी का मंदिर) में डुबकी लगाई। उन्होंने श्री नृसिंह देव के सुंदर मंदिर का भी दर्शन किया, जिन्हें पुष्कर का रक्षक माना जाता है। पुष्कर से, समूह जयपुर चला गया जहाँ उन्होंने श्री श्री राधा गोविंद देव जी की मनमोहक मंगला आरती में भाग लिया। शेष दिवस श्री श्री राधा गोपीनाथ जी एवं श्री श्री राधा दामोदर के दर्शन में व्यतीत हुआ ! इस्कॉन में भक्तों हेतु एक बिल्कुल आदर्श सप्ताहांत !

स्वतंत्रता दिवस समारोह (15 अगस्त) (इस्कॉन, द्वारका)

77वें स्वतंत्रता दिवस पर, रक्षा कर्मियों द्वारा दी गई निस्वार्थ सेवा को पहचान प्रदान करने हेतु एक विशेष पहल की गई। देश की सेवा में निरंतर लगे सुरक्षा बलों की सर्वांगीण सुरक्षा हेतु विशेष हवन एवं भगवान् से प्रार्थना की गई। मंदिर परिसर में आने वाले भक्तों के लिए कई कार्यक्रम रखे गए, जैसे सेल्फी पॉइंट, झंडा बनाना और देशभक्ति पोशाक प्रतियोगिताएं आदि।

शोभा यात्रा (20 अगस्त) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

श्री श्री कृष्ण बलराम शोभा-यात्रा का आयोजन ग्रेटर कैलाश-II और ग्रेटर कैलाश-III में जन्माष्टमी उत्सव की पूर्व संध्या के रूप में किया गया था। भगवान् के रथ के साथ भक्तगण भी, जयकारे लगाते हुए और हरिनाम गाते हुए चल रहे थे। कुछ ने प्रभु की प्रसन्नता के लिए नृत्य भी किया। राहगीर जुलूस की भव्यता से आश्चर्यचकित होकर देखते रह जा रहे थे। रथ से प्रसाद वितरित किया गया। भक्तों ने आरती और प्रसाद से भगवान् का स्वागत किया। गूंजते कीर्तन ने लोगों को अपने घरों से बाहर आने एवं परमभगवान् के दर्शन करने हेतु प्रोत्साहित किया ।

by devotees, chanting and singing. Some danced for the pleasure of the Lord. the passersby looked on, awestruck by the sublimity of the procession. Prasadam was distributed from the chariot. Devotees welcomed the Lord, with aarti and offering. The resounding kirtan encouraged people to come out of their homes and take darshans of Their Lordships.

Chiefs endorse the International Value Education Olympiad [VEO]
(ISKCON, Punjabi Bagh)

International Value Education Olympiad spearheaded in partnership with the Ministry of Environmental, Forest and Climate Change, Mission LiFE Ministry of Tribal Affairs, United Nations Environment Program and Directorate of Delhi opened its registrations last month. The Olympiad in its first month of registration is witnessing an overwhelming response. VEO has found even more strength in its purpose with senior monks and role models at ISKCON like H.G. Mohan Rupa Prabhu, H.H. SB Keshava Swami, H.H. Bhakti Ashraya Vaisnava Swami endorsing the Olympiad. Registrations for VEO close on 30th September.

Radha Govinda Jhulan yatra (27th – 31st Aug)
(ISKCON, East of Kailash)

The rainy months of the Monsoon, provide the opportunity to serve the Divine Couple, in multifarious ways. The lush green, newly washed trees, are used to hold swings, decorated with newly blossoming flowers. The soft drizzle of the rain, and the enchanting smell of the Earth, all make the atmosphere perfect for a swing amidst mellifluous kirtan. This pastime was replicated in ISKCON, Delhi, on the

प्रमुखों ने अंतर्राष्ट्रीय मूल्य शिक्षा ओलंपियाड [वीईओ] का समर्थन किया
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

अंतर्राष्ट्रीय मूल्य शिक्षा ओलंपियाड ने पिछले महीने, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, जनजातीय मामलों के मंत्रालय, संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम और दिल्ली निदेशालय के साथ साझेदारी में अपने पंजीकरण प्रारंभ किए। पंजीकरण के प्रथम माह में ही ओलंपियाड को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। इस्कॉन में श्रीमान मोहन रूप प्रभु, परम पूज्य स्वयं भगवान् केशव स्वामी महाराज, परम पूज्य भक्ति आश्रय वैष्णव स्वामी महाराज जैसे वरिष्ठ संन्यासीयों और रोल मॉडल द्वारा ओलंपियाड का समर्थन करने से वीईओ को अपने उद्देश्य में और भी अधिक बल मिला है। वीईओ हेतु पंजीकरण 30 सितंबर को समाप्त हो जाएगा।

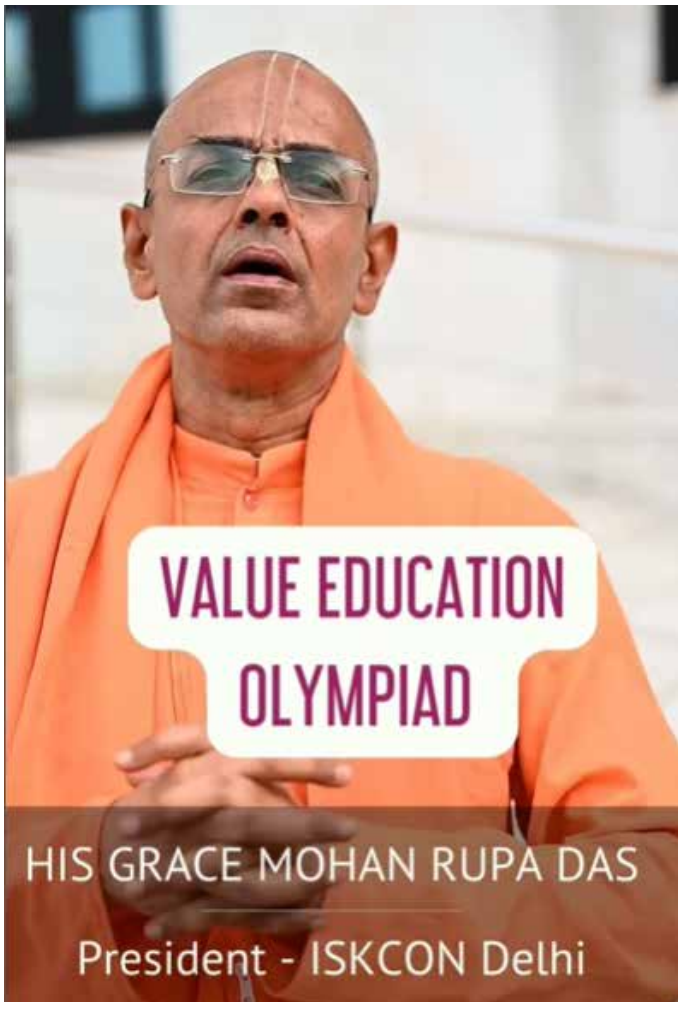

occasion of Jhulan Yatra. Visitors and devotees pulled the swing, rendering service to Sri Sri Radha Parthasarathi, with love and devotion.

Disappearance of Srila Rupa Goswami (28th Aug) (ISKCON, East of Kailash)

Srila Prabhupada established that Gaudiya Vaishnavas are Rupanugas, 'followers of Srila Rupa Goswami'. As the Acharya of Abhidheya, he is the principal guide in the execution of pure devotional service. Through the tenets laid out in his literature, such as Nectar of Devotion, he continues to instruct Vaishnavas on how to offer service and inspires devotees to attain perfection on the path of bhakti. The Disappearance of Srila Rupa Goswami was celebrated with pushpanjali, kirtan, and feast. Devotees prayed for the favor of the great Acharya, singing bhajans written by him and chanting the holy names of the Lord.

Appearance day of Lord Balarama (31st Aug) (ISKCON, East of Kailash)

Lord Balarama is different from Krishna. Lord Balarama appeared as the seventh son of Mother Devaki, from where he was transferred to the womb of Mother Rohini, thus he earned the name Sankarshana. His pastimes are filled with an attitude of service and valor for the protection of the Lord and His devotees. The appearance day of Lord Balarama was celebrated with spiritual fervor and devotional zeal. An elaborate abhishek was organized amidst kirtan and dancing by ecstatic devotees. The sumptuous Ekadashi feast was partaken by the devotees. Readings and discussions of the pastimes of Lord Balarama kept the devotees busy, who prayed for his merciful glance, making devotees capable of serving the Lord with devotion and love.

श्री श्री राधा गोविंद झूलन यात्रा (27 - 31 अगस्त) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

मानसून में बारिश के महीने, विविध विधियों से दिव्य युगल की सेवा करने का अवसर प्रदान करते हैं। हरे-भरे, नए धुले पेड़ों पर झूले टाँगे जाते हैं, नव पल्लवित कुसुमों से सुसज्जित किया जाता है। बारिश की हल्की फुहारें एवं धरती की सुमनोहर मनमोहक गंध, ये सभी वातावरण को मधुर कीर्तन के मध्य झूले झूलने हेतु उपयुक्त बनाते हैं। झूलन यात्रा के अवसर पर इस लीला का विमोचन इस्कॉन, दिल्ली में किया गया। आगंतुक श्रद्धालुओं और भक्तों ने प्रेम और भक्ति के साथ श्री श्री राधा पार्थसारथी जी की सेवा करते हुए झूला झुलाया।

श्रील रूप गोस्वामी का तिरोभाव दिवस (28 अगस्त) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

श्रील प्रभुपाद ने स्थापित किया कि गौड़ीय वैष्णव रूपानुग हैं, 'श्रील रूप गोस्वामी के अनुयायी'। अभिधेय के आचार्य के रूप में, वह शुद्ध भक्ति के निष्पादन में प्रमुख मार्गदर्शक हैं। अपने साहित्य में दिए गए सिद्धांतों, जैसे कि श्री भक्ति रसामृत सिंधु के माध्यम से, वह वैष्णवों को सेवा करने एवं भक्तों को भक्ति के मार्ग पर पूर्णता प्राप्त करने हेतु प्रेरित करने के विषय में निर्देश देना जारी रखते हैं। श्रील रूप गोस्वामी का तिरोभाव दिवस पुष्पांजलि, कीर्तन एवं भोज प्रसादम के साथ मनाया गया। भक्तों ने महान आचार्य का अनुग्रह प्राप्ति हेतु प्रार्थना कीं, उनके द्वारा लिखे गए भजन गाए तथा भगवान् के पवित्र नामों का जाप किया।

भगवान् बलराम का प्राकट्य दिवस (31 अगस्त) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

भगवान् बलराम कृष्ण से अभिन्न हैं। भगवान् बलराम माता देवकी के सातवें पुत्र के रूप में प्रकट हुए, जहाँ से वे माता रोहिणी के गर्भ में स्थानांतरित हुए, इस प्रकार उनका नाम संकर्षण पड़ा। उनकी लीलाएं भगवान्की सेवा तथा उनके भक्तों की सुरक्षा हेतु वीरता के भाव से भरी हैं। भगवान् बलराम का प्राकट्य दिवस आध्यात्मिक उमंग और भक्ति उत्साह के साथ मनाया गया। आनंदित भक्तों द्वारा कीर्तन और नृत्य के मध्य भगवान् के विस्तृत अभिषेक का आयोजन किया गया। भक्तों ने शानदार एकादशी भोज का आनंद लिया। भगवान् बलराम की लीलाओं के वाचन और गुणानुवर्णन ने भक्तों को व्यस्त रखा, भक्तों ने उनकी दया दृष्टि हेतु प्रार्थना की, जिससे कि भक्तगण प्रेम और भक्ति भाव के साथ-साथ भगवान् की सेवा करने में सक्षम बनें।

Upcoming events:

आगामी कार्यक्रम

The second month of Chaturmasya begins
(1st September)

In the second month of Chaturmasya, devotees will fast from curd.

Janmashtami (7th September)
(All ISKCON Delhi-NCR Temples)

Janmashtami is the appearance day of Lord Krishna. It will be celebrated with events to prepare one's consciousness so that the Lord can be welcomed in our hearts and lives. ISKCON, Delhi will host a cultural program consisting of kirtan, spiritual discourse, and motivational sessions by Dr. Vivek Bindra, on the 2nd and 3rd of September. Vaikuntha Players will present a drama on this occasion. Nitish Bharadwaj, of Mahabharata fame, will also present a play. Janmashtami will see visitors coming to take darshans of Their Lordships. The beautifully decorated temple hall, resplendent deities, and spiritually charged atmosphere will be blissful. A maha-abhishek will be organized at midnight, after which a feast will be honored. Devotees will spend the day in service of the temple and its visitors, trying to please the Lord by spreading Krishna consciousness.

There is something for everyone this Janmashtami!
(ISKCON, Punjabi Bagh)

Like each year, Janmashtami at ISKCON Punjabi Bagh promises to surpass the experience of all previous years. This year the promise is to have something exciting for everyone who visits the temple. The celebrations will take place at two venues - the temple campus itself and at the Punjabi Bagh Club lawns nearby. Both the venues will have several stalls and booths to engage all the visitors. The temple campus will be inundated with beautiful decorations, scrumptious food offerings, continuous kirtans, mesmerizing aratis, pleasing jhulans, and abhishek. The Punjabi Bagh lawns will witness one of a kind Janmashtami laser show, theatrical performances, Bharatnatyam performances, dance dramas, games, cultural displays, a kids' corner, and a lot of prasadam!

चातुर्मास्य का दूसरा महीना प्रारंभ (1 सितंबर)

चातुर्मास्य के द्वितीय माह में भक्तगण दही का व्रत रखेंगे।

जन्माष्टमी (7 सितम्बर)
(दिल्ली-एनसीआर के सभी इस्कॉन मंदिर)

जन्माष्टमी भगवान् कृष्ण का प्राकट्य दिवस है। हमारी चेतना को कृष्ण भावनाभावित बनाने हेतु यह त्योहार कई कार्यक्रमों के साथ मनाया जाएगा ताकि हम अपने हृदय और जीवन में भगवान् का स्वागत कर सकें। इस्कॉन, दिल्ली 2 और 3 सितंबर को एक साँस्कृतिक कार्यक्रम की मेजबानी करेगा जिसमें कीर्तन, आध्यात्मिक प्रवचन और डॉ. विवेक बिंद्रा द्वारा प्रेरक सत्र शामिल होंगे। इस अवसर पर वैकुंठ प्लेयरस द्वारा ड्रामा की प्रस्तुति दी जाएगी। महाभारत के नीतीश भारद्वाज भी एक नाटक प्रस्तुत करेंगे। जन्माष्टमी पर श्रद्धालुगण अपने भगवान् के दर्शन करने हेतु पधारेंगे। सुंदरता से सजाए गए मंदिर हॉल, शोभायमान विग्रहों एवं आध्यात्मिक रूप से उत्साहित वातावरण आनंददायक होगा। अर्द्धरात्रि में महाअभिषेक का आयोजन किया जाएगा, जिसके बाद भोज प्रसादम का आयोजन किया जाएगा। भक्तगण मंदिर तथा वहाँ आने वाले आगंतुकों की सेवा में दिन बिताएंगे तथा कृष्ण भावनामृत का प्रसार करके भगवान् को प्रसन्न करने का प्रयास करेंगे।

इस जन्माष्टमी पर सभी के लिए कुछ न कुछ है!
(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

प्रतिवर्ष की भाँति, इस्कॉन पंजाबी बाग में जन्माष्टमी विगत सभी वर्षों के अनुभव को पार करने का वचन देती है। इस वर्ष मंदिर में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु हेतु कुछ रोमांचक करने का वचन लिया गया है। समारोह दो स्थानों पर होंगे - मंदिर परिसर में और पास ही स्थित पंजाबी बाग क्लब लॉन में। दोनों स्थानों पर सभी आगंतुकों को शामिल करने हेतु कई बूथ और स्टॉल होंगे। मंदिर परिसर सुंदर सजावट, स्वादिष्ट भोजन प्रसाद, निरंतर कीर्तन, मंत्रमुग्ध करने वाली आरतीयाँ, मनभावन झूले और अभिषेक से मंदिर परिसर सुसज्जित रहेगा। पंजाबी बाग के लॉन में एक अनोखा जन्माष्टमी लेजर शो, नाट्य प्रदर्शन, भरतनाट्यम प्रदर्शन, नृत्य नाटिका, खेल, सांस्कृतिक प्रदर्शन, बाल क्रीड़ा स्थान और ढेर सारा प्रसाद भी होगा!

Appearance of Srila Prabhupada (8th September)
(All ISKCON Delhi-NCR Temples)

Srila Prabhupada appeared in Calcutta on Nandotsava. He went on to achieve that which was unprecedented and in the landscape of the world of those times, unimaginable. Binding the entire world by sankirtana, he brought Vedic culture, India's greatest gift, to the Western world. This feat made many Indians sit up and rediscover their strength, the power of scriptural injunction. Traveling extensively, writing to leave back literature that will enlighten the world for centuries, Prabhupada is one of the most famous Modern-day Saints, leaving an indelible mark on history. His appearance day will be celebrated with abhishek, bhoga offering, kirtan, and feast.

Radhashtami (23rd September)
(All ISKCON Delhi-NCR Temples)

As the pleasure potency of the Lord, Radharani is the perfect devotee, followed by the Gaudiya Vaishnavas. So sublime is her devotion, that the Lord Himself appears in the form of Chaitanya Mahaprabhu, carrying her mood to serve and please Krishna. She is the one who recommends devotees in the service of Krishna. Her appearance is a perfect day to seek her favor and mercy, to become fixed on the spiritual path. Radhashtami will be celebrated with abhishek, amidst kirtan, followed by sumptuous prasadam. Devotees will sing various bhajans and ashtakam to please the Queen of the Gopis.

Appearance day of Srila Jiva Goswami
(26th September)

Srila Jiva Goswami was the youngest of the Goswamis. He was entrusted with leading the Vaishnava tradition, after his exalted uncles and Gurus, Srila Rupa Goswami and Srila Sanatana Goswami, had returned to the eternal pastimes of the Lord. Many of the Modern-day programs such as book distribution, were established under his aegis. His appearance day will be celebrated with Pushpanjali and Kirtan. Devotees will offer prayers to the Acharya, for his mercy and favor.

श्रील प्रभुपाद का आविर्भाव दिवस (8 सितंबर)
(इस्कॉन दिल्ली-एनसीआर के सभी मंदिर)

श्रील प्रभुपाद कलकत्ता में नंदोत्सव के दिन प्रकट हुए। उन्होंने वह प्राप्त किया जो अभूतपूर्व था और उस समय के सांसारिक परिदृश्य में अकल्पनीय था। संकीर्तन द्वारा संपूर्ण विश्व को एक सूत्र में बांध कर उन्होंने भारत की सबसे बड़ी देन वैदिक संस्कृति को पश्चिमी जगत तक पहुँचाया। इस उपलब्धि ने कई भारतीयों को अपने बल एवं शास्त्रीय निषेधाज्ञाओं की शक्ति को पुनः खोजने पर विवश कर दिया। व्यापक रूप से यात्रा करते हुए, शताब्दियों तक संसार को ज्ञान प्रदान करने वाले साहित्य की रचना करते हुए, प्रभुपाद सबसे प्रसिद्ध आधुनिक संतों में से एक हैं, जिन्होंने इतिहास पर एक अमिट छाप छोड़ी है। उनका प्राकट्य दिवस अभिषेक, भोगार्पण, कीर्तन और भोज प्रसादम के साथ मनाया जाएगा।

राधाष्टमी (23 सितंबर)
(इस्कॉन दिल्ली-एनसीआर के सभी मंदिर)

भगवान् की आह्लादिनी शक्ति के रूप में, राधारानी एक आदर्श भक्त हैं, जिनका गौड़ीय वैष्णवों द्वारा अनुशरण किया जाता है। उनकी भक्ति इतनी उदात्त है कि भगवान् स्वयं, कृष्ण की सेवा करने एवं उन्हें प्रसन्न करने की भावना को लेकर श्री चैतन्य महाप्रभु के रूप में प्रकट होते हैं। वे वह हैं जो श्री कृष्ण की सेवा में भक्तों पर अनुग्रह करती हैं। उनका आविर्भाव दिवस, आध्यात्मिक पथ पर स्थिर होने तथा उनकी कृपा और दया पाने हेतु एक आदर्श दिन है। राधाष्टमी का महोत्सव अभिषेक तथा कीर्तन के उपरांत शानदार भोज प्रसादम के साथ मनाया जाएगा। गोपियों की महारानी को प्रसन्न करने हेतु भक्तगणविभिन्न भजन और अष्टकम गाएंगे।

श्रील जीव गोस्वामी का प्राकट्य दिवस (26 सितम्बर)

श्रील जीव गोस्वामी षड-गोस्वामियों में सबसे छोटे थे। उनके महान चाचाओं और गुरुओं, श्रील रूप गोस्वामी एवं श्रील सनातन

Appearance day of Srila Bhaktivinoda Thakura
(27th September)

Srila Bhaktivinoda Thakura took it upon himself to resurrect the Vaishnava tradition and re-plant it in the Modern context. A government official under British rule, he influenced all those around him with his efficiency and his purity. He made many attempts to establish Chaitanya Mahaprabhu's teachings effectively. His appearance will be celebrated with Pushpanjali amidst kirtan and chanting of holy names and a sumptuous feast.

Disappearance day of Srila Haridasa Thakura
(28th September)

Srila Haridasa Thakura is known as Namacharya. He chanted 3 lac holy names daily. The potency of the holy name empowered him to withstand a beating in 22 markets as well as deflect the attack of Mayadevi personified. He not only tolerated the lustful advances of a prostitute but converted her into a devotee. Srila Haridasa Thakura's Disappearance Day is celebrated as the holy name day all over the world. Japa marathons will be organised and devotees will pray for his mercy and favour.

The third month of Chaturmasya begins
(30th September)

The third month of Chaturmsasya begins on 30th September. Devotees will abstain from the consumption of milk.

गोस्वामी के भगवान् की शाश्वत लीलाओं में लौटने के पश्चात, उन्हें वैष्णव परंपरा का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। पुस्तक वितरण जैसे कई आधुनिक कार्यक्रम उनके तत्वावधान मेंही स्थापित किए गए थे। उनका प्राकट्य दिवस, पुष्पांजलि और कीर्तन के साथ मनाया जाएगा। भक्तगण आचार्य से उनकी दया और कृपा हेतु प्रार्थना करेंगे।

श्रील भक्तिविनोद ठाकुर का प्राकट्य दिवस (27 सितंबर)

श्रील भक्तिविनोद ठाकुर ने वैष्णव परंपरा को पुनर्जीवित करने और इसे आधुनिक संदर्भ में पुनः स्थापित करने का बीड़ा स्वयं उठाया। ब्रिटिश शासन के आधीन एक सरकारी अधिकारी, जिन्होंने अपनी कार्यकुशलता एवं पवित्रता से अपने आस-पास के सभी लोगों को प्रभावित किया। उन्होंने चैतन्य महाप्रभु की शिक्षाओं को प्रभावी ढंग से स्थापित करने हेतु कई प्रयास किए। उनका प्राकट्य महोत्सव कीर्तन और पवित्र नामों के जाप के मध्य पुष्पांजलि के पश्चात एक शानदार भोज प्रसादम के साथ मनाया जाएगा।

श्रील हरिदास ठाकुर का तिरोभाव दिवस (28 सितंबर)

श्रील हरिदास ठाकुर को नामाचार्य के नाम से जाना जाता है। वे प्रतिदिन 3 लाख पवित्र नामों का जाप करते थे। पवित्र नाम की शक्ति ने उन्हें 22 बाज़ारों में मार का सामना करने के साथ-साथ मायादेवी के आक्रमण को विफल करने का बल प्रदान किया। उन्होंने न केवल एक वेश्या के वासनापूर्ण प्रलोभनों को सहन किया अपितु उसे एक भक्त में परिवर्तित कर दिया। श्रील हरिदास ठाकुर का तिरोभाव दिवस पूरे विश्व में पवित्र हरिनाम दिवस के रूप में मनाया जाता है। जप मैराथन का आयोजन किया जाएगा और भक्तगण उनकी दया और कृपा हेतु याचना करेंगे।

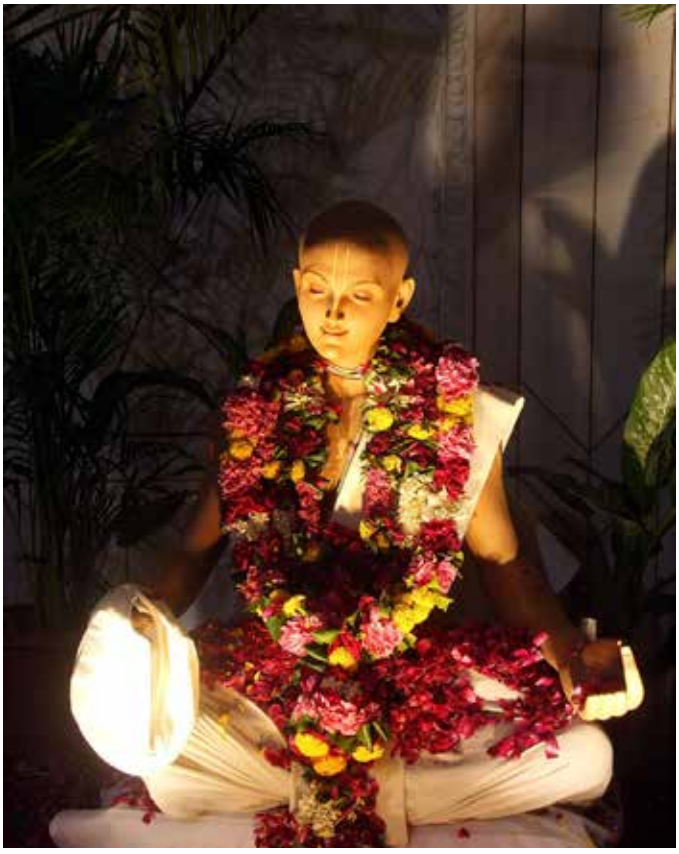

चातुर्मास्य का तीसरा महीना प्रारंभ (30 सितंबर)

चातुर्मासस्य का तीसरा महीना 30 सितंबर से आरम्भ हो रहा है। इस माह में श्रद्धालुगण दूध के सेवन से परहेज करेंगे।

THE SIGNIFICANCE OF SRILA PRABHUPADA

The honorific title Prabhupada is correctly used for designating those great spiritual masters who have made an outstanding contribution to literature or preaching to the world. Examples are Srila Rupa Gosvami Prabhupada, Srila Jiva Gosvami Prabhupada, and Srila Bhaktisiddhanta Sarasvati Goswami Prabhupada.

When members of ISKCON speak of "Srila Prabhupada," they refer to His Divine Grace A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada. A.C. Bhaktivedanta Swami is correctly addressed as Srila Prabhupada because he occupies a unique position in the religious history of the world.

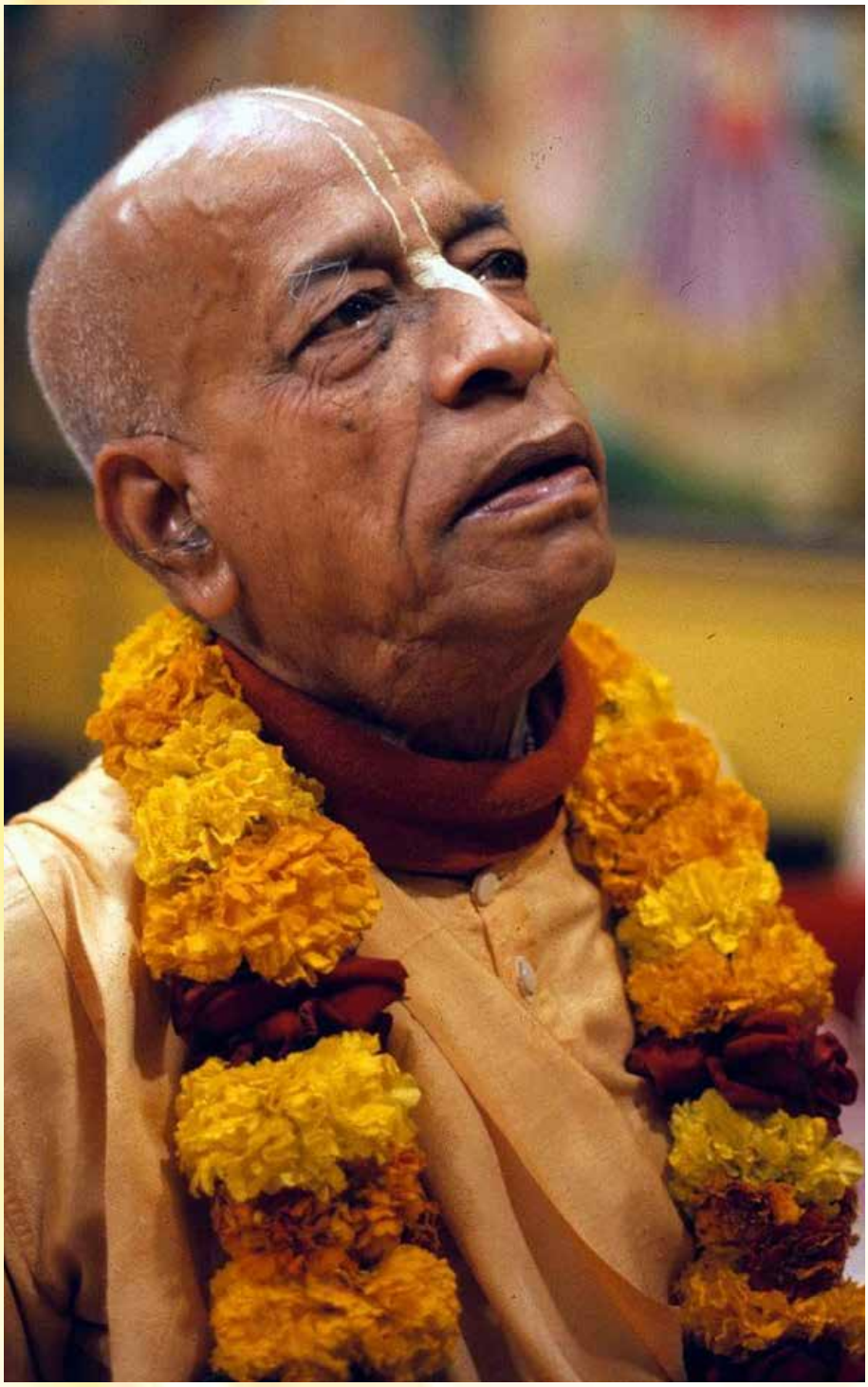

In Srimad-Bhagavatam (1.5.11), Vyasadeva states that the Bhagavatam "is meant to bring about a revolution in the impious life of a misdirected civilization." This statement refers to the preaching mission heralded by Srila A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada, whose purports on Srimad-Bhagavatam, composed five thousand years after Srila Vyasadeva compiled the Bhagavatam, have become the most important contribution for the revolutionary re-spiritualization of the entire human society, which was lost in the darkness of materialism.

Lord Caitanya Mahaprabhu also predicted that His holy name would be broadcast in every town and village of the world. Acaryas of His sampradaya predicted that the spread of Krsna consciousness would usher in a ten-thousand-year Golden Age within the dark age of Kali. In Caitanya Mangala, Locana dasa Thakura foretold that a great senapati (military general) would appear to widely and powerfully preach Lord Caitanya's message. That confidential task of spreading Krsna consciousness all over the world was entrusted to His Divine Grace A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada.

Sri Caitanya-caritamrta confirms that unless one is specifically empowered by Krsna, he cannot infuse Krsna consciousness into the hearts of the masses. Bhaktivinoda Thakura, a great Vaisnava acarya

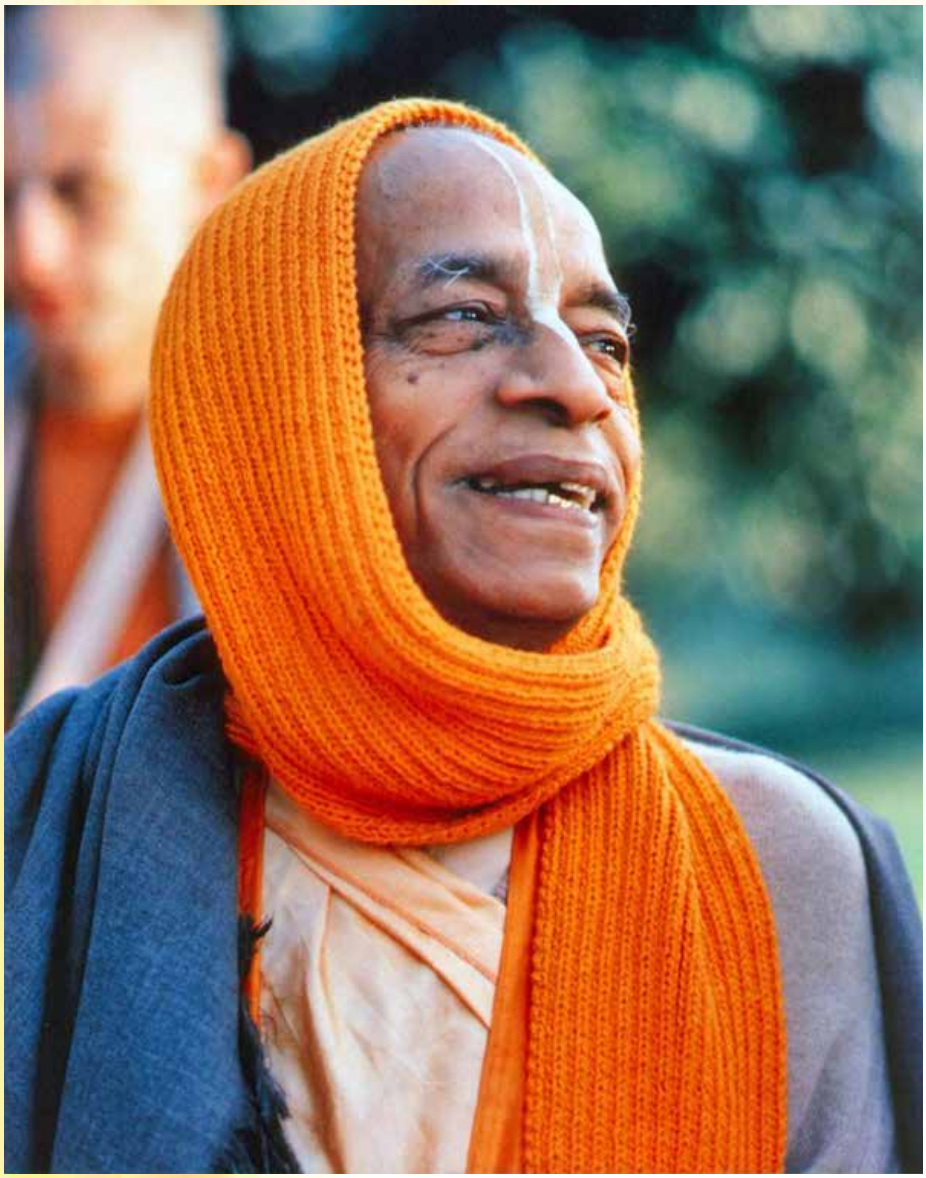

who appeared in the nineteenth century, predicted that very soon a great personality would appear and spread Krsna consciousness all over the world. That person is His Divine Grace A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada.

Bhaktivinoda Thakura also said that the greatness of a Vaisnava can be understood by seeing how many non-devotees he converts to Vaisnavism. To bring even a highly qualified person to Krsna consciousness is difficult, but Srila Prabhupada was so empowered by Krsna that he went amongst the most unlikely candidates — the hedonistic youth of the Western countries — and made devotees by the thousands. No one can fully understand the extraordinary task Srila Prabhupada performed. He went alone amongst persons with no standard of Vedic culture, persons brought up in a society that vigorously promotes meat-eating, illicit sex, gambling, and intoxication. They had no idea how to receive a sadhu and were almost completely disqualified as candidates for spiritual life.

Srila Prabhupada not only entered amongst such people but gradually managed to train many of them to the extent that now they are accepted everywhere as first-class Vaisnavas and preachers, qualified to impart Krsna consciousness to others.

In India's recent history, there were certainly many Vaisnavas who were devoted, learned, and renounced. However, the fact remains that only Srila Prabhupada was sufficiently qualified to spread Krsna consciousness all over the world. Only he had sufficient faith in the instructions of Lord Caitanya, the order of his spiritual master, and the holy name of Krsna to seriously attempt spreading Krsna consciousness outside of India. Only he had enough compassion and vision to preach the message of Lord Caitanya to those who most needed it. Only one of the topmost confidential devotees of Krsna could perform such an extraordinary task. By his unparalleled achievements, it is clear that Srila Prabhupada occupies a unique position in the history of Vaisnavism.

Srila Prabhupada was empowered to spread Krsna consciousness practically and straightforwardly, suitable for the modern world. Without changing or compromising the teachings of Krsna consciousness even slightly, he presented its esoteric truths in a clear and intelligible manner, suitable for both the layman and the scholar.

Srila Prabhupada personally oversaw the expansion and development of ISKCON. He set up the programs that were to form the basis of ISKCON's

continued expansion: production and distribution of transcendental books, harinama-sankirtana parties, temples, ashrams, prasada distribution, transcendental farm communities, gurukulas, preaching to scientists and scholars, and so on.

Srila Prabhupada personally gave detailed directions about every aspect of Krsna consciousness: how to worship Deities, how to conduct sadhana, how to preach, how to wear a dhoti, how to cook for Krsna, how to chant mantras, and so forth. Srila Prabhupada is thus the founder-acharya of ISKCON. Whatever standards and instructions comprise ISKCON have come from him. Therefore Srila Prabhupada will always remain the preeminent siksa-guru and acarya of ISKCON.

Both scripture and tradition offer various approaches to Krsna consciousness, but followers of Srila Prabhupada execute Krsna consciousness as he showed them, knowing that Srila Prabhupada, as a faithful follower of his guru and the previous acharyas, presented Krsna consciousness in the best way for the modern age.

Srila Prabhupada's success is itself proof that his endeavors are approved, ordained, and blessed by the Supreme Lord Krsna Himself.

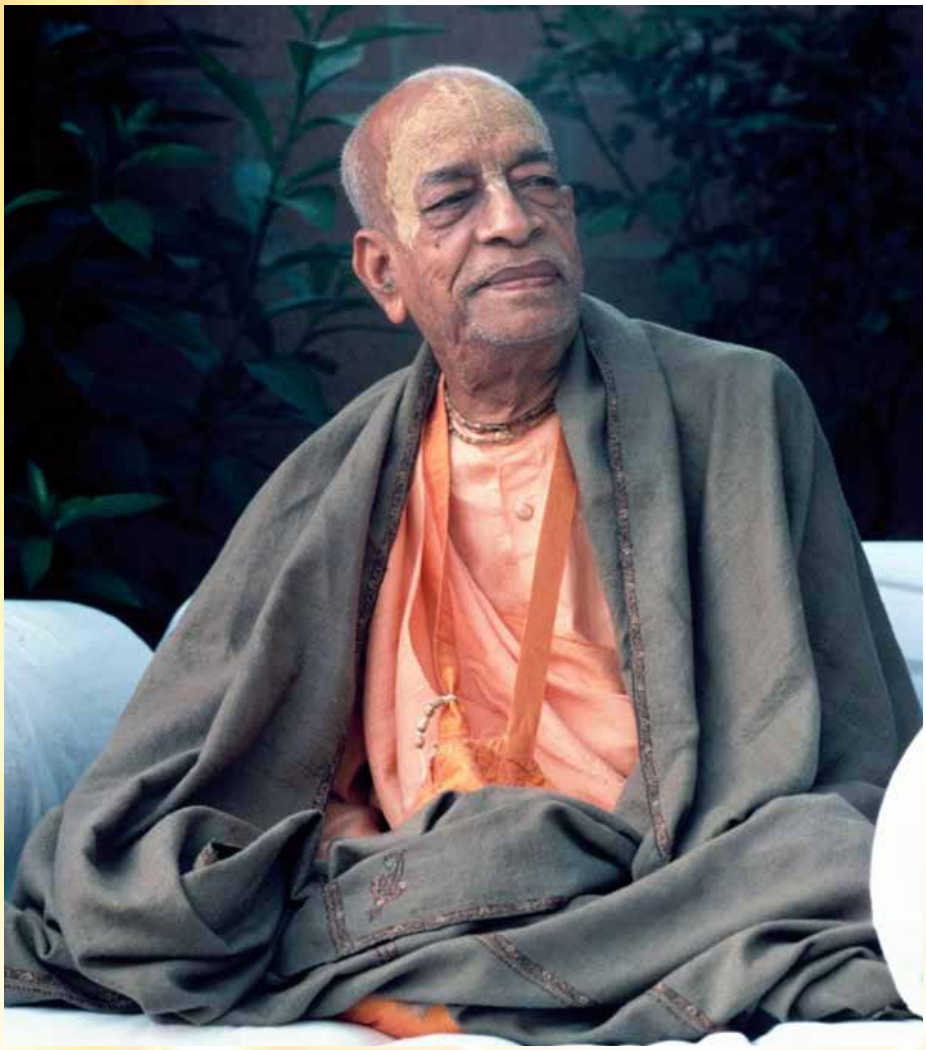

Srila Prabhupada gave many instructions, but certain ones are necessary for initiated disciples to follow if they claim to be genuine and severe followers of Prabhupada. For instance, Srila Prabhupada demanded that initiated devotees rise by 4:00 a.m., attend mangala-arati, chant at least sixteen rounds of the maha-mantra every day, and undeviatingly follow the four regulative principles.

All such standards that Srila Prabhupada clearly defined are mandatory to be followed in ISKCON. A rightly situated, successful follower of Srila Prabhupada is simply a faithful standard-bearer. He does not try to change or interpret the standards and programs given by Prabhupada, for he knows that whatever Srila Prabhupada has given us is perfect and complete for the re-spiritualization of the entire human society — not only for the present but for the next ten thousand years.

AFTERTHOUGHT

How can "The Significance of Srila Prabhupada" be rendered in three pages? Even if we could write millions of books, we could hardly begin to expound his glories. If we were to take the entire universe — with its planets, outer space, continents, oceans, mountains, men, demigods, and demons on one side — and one drop of dust from Srila Prabhupada's lotus feet on the other, there would be no comparison. One drop of dust from Srila Prabhupada's lotus feet is millions of times more valuable than anything the material world has to offer.

PREACHING CENTRES AROUND DELHI NCR

ISKCON, EAST OF KAILASH

Chirag Delhi-168, Sejwal Chowpal, Near Subzi Mandi
Chirag Delhi, New Delhi-110017
Contact at: 9911717110, 9910381818, 9810484885
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Okhla- Chhuria Muhalla Chowpal, Tehkhand Village
Okhla, Phase – I, New Delhi-110020
Contact at: 8588991778, 9810016516, 9911613165, 9971755934
Program: Every Tuesday, Evening 7 PM to 9 PM

Kotla Mubarakpur- Shri Omkareshwar Shiv Mandir
(Panghat wala), Gurudwara Road
Opp. Sher Singh Bazar, Kotla Mubarakpur, New Delhi-110003
Contact at: 9350941626, 9818767673, 9311510999
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Khanpur- B-192-B, Jawahar Park, Devli Road
(Near Cambridge School), Khanpur, New Delhi-110062
Contact at: 9818700589, 9810203181, 9910636160
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Hari Nagar, Ashram- 217, Saini Chaupal, Ashram Or 119, VIIT Computer Institute (Basement)
Hari Nagar, Ashram, New Delhi-110014
Contact at: 9811281521, 011-26348371
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

East Vinod Nagar-E – 322, Gali No. 8, East Vinod Nagar, Delhi-110091
Contact at: 9810114041, 9958680942
Program: Every Saturday, Evening 6.30 PM to 8.30 PM

Sriniwas Puri-Sanatan Dharam Durga Mandir
1st Floor, J J Colony near to Gurudwara, Sriniwas Puri,
New Delhi-110065
Contact at: 9711120128, 9654537632
Program: Every Wednesday, Evening 7.30 PM to 9 PM

Sangam Vihar- E-6/102, Near Mahavir Vatika
Sangam Vihar, New Delhi-110080,
Contact at: 9212495394, 9810438870
Program: Every Sunday: Evening 5 PM to 8 PM
Every Morning: 5 AM to 7 AM (Mantra Meditation)
Every Evening: 7 PM to 9 PM (Aarti)

Boat Club-Rajpath Lawn near Central Secretariat Metro Station,
New Delhi -110001, Every Wednesday 1PM -2 PM
Contact : 9560291770, 9717647134

Panchsheel Enclave-ISKCON DIVE, A-1/7 Panchsheel Enclave,
New Delhi-110017

Mayur Vihar-Srivas Angan Namahatta Center, 223-A Pkt.
C ph.2 Mayur Vihar
Every Saturday 5.30 - 7.30 PM
Contact ~ 9971999506 & 9717647134

Sarojini Nagar-Bharat Sewak Samaj Nursery School, Opp. Keshav Park,
Sarojini Nagar Market, New Delhi – 110023
Every Monday 6 PM to 8 PM
Contact : 9899694898, 9311694898

Lodi Road-Pocket – 2 Park, Lodhi Road Complex, New Delhi – 110003
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact : 9868236689, 8910894795

R.K.Puram-DMS Park (Opp. House No. 238), Sector - 7, R.K. Puram,
New Delhi –22, Every Sunday 5 PM to 7 PM
Contact: 9899179915, 860485243, 8447151399

Gole Market-Model Park, Sector – 4, DIZ Area, Gole Market,
New Delhi – 110001
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact: 9560291770, 9717635883

Sant Kanwar Ram Mandir-6.15pm. Every MONDAY at Jal Vihar Road, Lajpat Nagar -2, New Delhi Contact- 9971397187.

East of Kailash-Katha - Amritam, 6.45 pm every Sunday, Venue- Prasadam Hall, ISKCON Temple, Contact: 99582 40699, 70113 26781.

East of Kailash-Yashoda Angan, 6.45pm every Sunday, Venue- JCC Room, Iskcon temple, East of Kailash, Contact:- 97110 06604

ISKCON, GURUGRAM

RADHA KRISHNA MANDIR-New Colony, Gurugram,
Every Saturday-6:30 to 8:30PM
Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

Rail Vihar Community Center
Sec 47, Gurugram, Every Wednesday 7:00 to 9:30PM, Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

---

Katwaria Sarai - F 117, Basement, Near well No 1, Katwaria Sarai
New Delhi 110016. Contact: +91 75033 48819, Youth program - Every Friday 7.30 PM.
Family program - Every Saturday 7.30 PM

Ladosarai - F-6, Hare Krishna wali Gali, Near Panchayat Bhawan, Ladosarai, New Delhi-110030. Contact No.: 7011003974, 9888815430, 9717600814. Youth Program: Tuesday 07:30 PM; Congregation Program: Sunday- 5:00 PM

Mehrauli - Opposite Agarwal Dharmashala, Mehta chowk,
Ward no 8, Mehrauli , New Delhi 110030.
Contact: 9711862441, 9911399960, 9810565805.
Congregation Program: Every Saturday, 4-6 PM;
Youth Program: Every Sunday, 4-5PM

Chattarpur - Nitin Niwas H. No. 133, Chattarpur, Near Tyagi Chaupal,
Near Axis Bank ATM, South Delhi, 110074,
Contact: 9910290149
Program: Every Sunday 5.30PM To 7.30PM

Aya Nagar 1- Shiv Hansa Complex, Phase VI, G Block, Bandh Road,
Opp Max Gain Shopping Centre, Aya Nagar.
Contact: 9953891845,8860681843, Program: Every Sunday, 6 To 8 PM

Aya Nagar 2- Opp MCD School, Near Easy Day, Main Road, Aya Nagar, Delhi.
Contact: 9899729858, 8368656274
Program: Every Sunday 4 To 6 PM

Malviya Nagar - 90/77, Basement, Behind Malviya Hospital, Malviya Nagar.
Contact No. 8097263066, Program: Every Saturday 6PM Onwards

Khirki Extension - JG-35, Near Krishna Temple, Inside Left Street, Khirki Extension.
Contact No. +91 98911 27996
Program: Every Sunday 5 PM Onwards

Kishan Garh - H.No.602, Ward No.3, Bhuiyan Chowk ,Gaushala Road
Kishangarh,Vasant Kunj. Contact No- 8447358738
Every Sunday, 3:00 PM onwards

Sangam Vihar - D-170, Gali no. 4, Hare Krishna Centre Barsana Dham,
Nearby Sona Sweets, Sangam Vihar, New Delhi-110080.
Contact number:- 8851286364, 8447042470, Every Saturday; 6:00 PM-8:00PM;
Every Friday and Sunday; 5:30-7:00AM onwards

East Of Kailash - 194 FF Amritpuri Garhi, East of Kailash, Near MCD School,
New Delhi-110065. Contact: 9811347826, 9990503548.
Youth Program:- Saturday 7:00 PM

Ber Sarai - House number -2, Near Government Dispensary, BerSarai, New Delhi,
Contact - 8882347935,7065835531
Youth Program : Monday 7:00PM, Congregation Program : Saturday 4:00PM

Vasant Kunj - B100 (Basement), B Block, Mother Dairy, Vasant Kunj Enclave,
New Delhi-110070. Contact No.: 8860246574, 8879005088.
Every Sunday- 04:00 PM

Saket - C-109, Ground Floor, Near Mother Dairy, Paryavaran Complex, Saket,
New Delhi-110030, Contact: 8287713680, 8130505488, 9667427986
Youth Program: Saturday 07:00 PM; Congregation Program: Friday 07:00 PM

Tigri Extension - C-10 Hare Krishna Centre, Maha Shiv Shakti Mandir,
Tigri Extension, New Delhi-110080. Contact: 8851286364, 9810433117
Every Sunday, 11:00am - 1:00PM

Ghitorni - House no. 270, Balmiki choupal, Near Kali Mata Mandir, Ghitorni,
New Delhi-1100030, Contact No. -9975756916,7065835531
Youth Program- Thursday-7:00PM

Sultanpur - 2nd floor,Waliya house,near Gurudwara, Sultanpur, Delhi 110030.
Contact-9667478077. Youth program-Sunday 7:00 PM;
Congregation Program-Friday 5:00 PM

Prahlad Pur - A-132, DDA Flats, Prahladpur New Delhi 110044
Contact: 9999464382, 9650543321, Every Sunday 04:00 PM

Paharganj - 1st Floor, Radha Krishna Mandir, Near Jain Mandir, Mantola, Paharganj,
Contact No. 9818188182; 9810224106
Program: Every Saturday 7:00 To 8:00 PM

Nitya Seva

Nitya Seva-Niswartha Seva is a selfless monthly donation program for serving the Lord. It's purely voluntary, based on the desire, inclination and capability of the donor. The mode of donation could be through cash, cheque or ECS. One can choose to donate any amount as Lord Krishna sees our intent behind that donation. A formal receipt will be provided for each donation. For more details,

- Sri Sri Radha Parthasarathi Nitya Vigraha Sewa including bhoga offerings (fruits, vegetables, dry fruits, wheat flour, sugar, desi ghee, etc), deity dresses, deity jewellery and other paraphernalia, Please contact HG Janmashtami Chandra Prabhu @ 7011326781, 9999035120
- For ISKCON, East of Kailash, Please contact HG Baladeva Sakha Prabhu @ 9312069623
- For ISKCON, Punjabi Bagh, Please contact HG Premanjana Prabhu @ 9999197259.
- For ISKCON, Dwarka, Please contact HG Archit Prabhu @ 9891240059.
- For ISKCON, Gurugram, Please contact HG Narhari Prabhu @ 9034588881.
- For ISKCON, Faridabad, Please contact HG Ravi Shravan Prabhu @ 9999020059
- For ISKCON Panchsheel, Please contact HG Advaita Krishna Prabhu @ 9810630309/HG Rasraj Prabhu @ 9899922666
- For ISKCON East Delhi, Please contact @ 98115 10090

International Society for Krishna Consciousness

Founder Acharya - HDG A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada

ISKCON, East of Kailash - Hare Krishna Hill, East of Kailash, New Delhi-65
Web: www.iskcondelhi.com | Live Darshan: live.iskcondelhi.com
Facebook: www.facebook.com/iskcondelhi, Contact: 011-41625804, 26235133

ISKCON, Punjabi Bagh - 41/77, Srila Prabhupada marg,
West Punjabi Bagh, Delhi-26
Contact Person: HG Premanjana Prabhu (8802212763)

ISKCON, Dwarka - Plot No.-4, Sector-13, Dwarka, New Delhi-110075
Web: iskcondwarka.org, Facebook: www.facebook.com/iskcon.dwarka/
Contact: 9891240059, 8800223226

ISKCON, Gurugram - Sudarshan Dham, Main Sohna Road,
Badshahpur, Gurugram
Contact Person: HG Narhari Prabhu : 9034588881

ISKCON, Faridabad - Sri Sri Radha Govind Mandir, Gita Bhawan,
C-Block, Ashoka Enclave-II, Sector-37, Faridabad,
Phone : 0129-4145231, Email : gopisvardas@gmail.com

ISKCON, Bahadurgarh - Nahara-Nahari Road, Line Par Bahadurgarh,
Haryana - 124507, Phone: +91-9250128799
Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON, Rohini - Plot No-3, Institutional Area, Main Road,
Sector-25, Rohini New Delhi 110085
Phone: +91-9871276969
Email: iskcon.rohini@gmail.com

ISKCON Gurugram (Badshahpur) - Sudarshan Dham,
Gurgaon-Sohna Road, Badshahpur, Gurgaon (2.5kms from Vatika
Business park), Gurugram, Haryana 122001
Phone: +91-9250128799, Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON Ghaziabad - 11, ISKCON CHOWK R,
35, Hare Krishna Marg,
Block 11, Raj Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201002
Phone: 081309 92863, Email: iskcon.ghaziabad@pamho.net

ISKCON Chhattarpur - Village Near Shani Dham Mandir, Asola,
Fatehpur Beri, New Delhi, Delhi 110074
Phone: 099537 40668

ISKCON Gurugram - ISKCON, Plot No 0,
Near Delhi Public School,
Sector-45, Gurugram, Haryana-122003
Phone: 09313905803, 08920451444, 09810070342
Email: iskcongurugram.sec45@gmail.com

Sri Sri Radha-Vallabh Temple - 2439, Chhipiwara, Chah Rahat,
Jama Masjid Rd, Old Delhi, Delhi-110006
Phone: 098112 72600

Sri Sri Radha Govind Dev Temple - Opposite NTPC Office, A-5,
Maharaja Agrasen Marg, Block A, Sector 33, Noida, Uttar
Pradesh-201301
Phone: 095604 76959

ISKCON East Delhi - Hare Krishna Center
12/115 Geeta Colony, Delhi-110031
Phone: +91 98115 10090, Email: iskcon.del@gmail.com

We hope you liked the newsletter. Please send your feedback/comments/suggestions at **delhinews108@gmail.com**